भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †3712
सोमवार, 24 मार्च, 2025/03 चैत्र, 1947 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

ओडिशा की साहसिक पर्यटन नीति

†3712. श्रीमती स्मिता उदय वाघ:
डॉ. विनोद कुमार बिंदः
श्री नव चरण माझीः
श्री प्रताप चंद्र षडंगी:
श्री भर्तृहरि महताबः
श्री बलभद्र माझीः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ओडिशा की साहसिक पर्यटन नीति को लागू करने की संभावित समय-सीमा क्या है और क्या सरकार की महाराष्ट्र में इसी प्रकार की नीति लागू करने की कोई योजना है;

(ख) ओडिशा के साहसिक पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश आकर्षित करने के लिए किन-किन वित्तीय प्रोत्साहनों अथवा राजसहायता की योजना बनाई जा रही है और क्या महाराष्ट्र के लिए भी इसी प्रकार के उपायों पर विचार किया जाएगा;

(ग) पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों, विशेषकर महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट और तटीय क्षेत्रों में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देते समय पर्यावरणीय सततता और संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार ओडिशा में साहसिक पर्यटन परियोजनाओं में स्थानीय समुदाय की भागीदारी और रोजगार सृजन से संबंधित चिंताओं का किस प्रकार समाधान करने की योजना बना रही है और क्या महाराष्ट्र के लिए भी ऐसी ही पहलों की संभावना तलाशी जा रही है; और

(ङ) क्या सरकार साहसिक पर्यटन विकास में सर्वोत्तम पद्धतियों का आदान-प्रदान करने के लिए ओडिशा और महाराष्ट्र के बीच सहयोग पर विचार कर रही है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (ड.): पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास और संवर्धन तथा पर्यटन नीतियों का निर्माण संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' के माध्यम से देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

पर्यटन और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए सतत और जिम्मेदारीपूर्ण पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 के रूप में नया रूप प्रदान किया गया है। यह योजना पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिरता और आर्थिक स्थिरता सहित सतत पर्यटन के सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। इन योजनाओं के तहत महाराष्ट्र और ओडिशा में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

मंत्रालय द्वारा तैयार की गई सतत पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति में पर्यावरणीय स्थिरता एक प्रमुख स्तंभ है। इस कार्यनीति के अनुरूप, देश में सतत पर्यटन को बढ़ावा देने और पर्यटकों और पर्यटन व्यवसायों को प्रोत्साहित करने के लिए ट्रैवल फॉर लाइफ कार्यक्रम शुरू किया गया है ताकि सतत पर्यटन पद्धतियों को अपनाया जा सके।

पर्यटन मंत्रालय ने एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सहयोग से आदर्श एडवेंचर सुरक्षा दिशा-निर्देश तैयार किए हैं, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में एडवेंचर टूरिज्म क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक और मानकीकृत ढांचा स्थापित करना है। सुरक्षा प्रोटोकॉल को अपनाने और तैयार करने/अद्यतन करने के लिए इन दिशानिर्देशों को सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों को परिचालित किया गया है।

*****

अनुबंध

श्रीमती स्मिता उदय वाघ, डॉ. विनोद कुमार बिंद, श्री नव चरण माझी, श्री प्रताप चंद्र षडंगी, श्री भर्तृहरि महताब और श्री बलभद्र माझी द्वारा ओडिशा की साहसिक पर्यटन नीति के संबंध में दिनांक 24.03.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †3712 के भाग (क) से (ङ.) के उत्तर में **विवरण**

31.12.2024 तक स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(करोड़ रु. में)

राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	परिपथ/ स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	जारी/ अधिकृत* राशि
ओडिशा	तटीय परिपथ 2016-17	गोपालपुर, बरकुल, सतपदा और तम्पारा का विकास	70.82	67.28
महाराष्ट्र	तटीय परिपथ 2015-16	सिंधुदुर्ग तटीय परिपथ - सागरेश्वर, तारकरली, विजयदुर्ग (समुद्र तट और क्रीक), मितभव का विकास	19.06	18.10
महाराष्ट्र	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	वाकी- अदासा- धापेवाड़ा- पारदसिंघा- तेलनखंडी- गिराड का विकास	45.47	43.19

* इसमें केंद्रीय क्षेत्र योजना के लिए टीएसए मॉडल I के माध्यम से सीएनए को प्राधिकृत राशि शामिल है

31.12.2024 तक स्वदेश दर्शन 2.0 के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

राज्य	गंतव्य	एक्सपीरियंस का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)	स्वीकृति की तिथि
महाराष्ट्र	पुणे	शिवसृष्टि ऐतिहासिक थीम पार्क- चरण 3	76.22	21-09-2024

20.01.2025 तक प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(करोड़ रु. में)

राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत लागत	जारी राशि
ओडिशा	पुरी में अवसंरचना का विकास	2014-15	50.00	10.00
महाराष्ट्र	त्र्यंबकेश्वर का विकास	2017-18	42.18	29.93

केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(लाख रु. में)

परियोजना का नाम	राज्य	एजेंसी	स्वीकृति की तिथि	स्वीकृत राशि	जारी राशि
कनोजी आंग्रे लाइटहाउस का पर्यटन स्थल के रूप में विकास	महाराष्ट्र	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट	09-08-2016	1500	1500
इंदिरा डॉक, मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उन्नयन/ आधुनिकीकरण।	महाराष्ट्र	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट	29-12-2017	1250	1250
इंदिरा डॉक, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट में अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उन्नयन/आधुनिकीकरण	महाराष्ट्र	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट	20-12-2021	3750	3000

*****